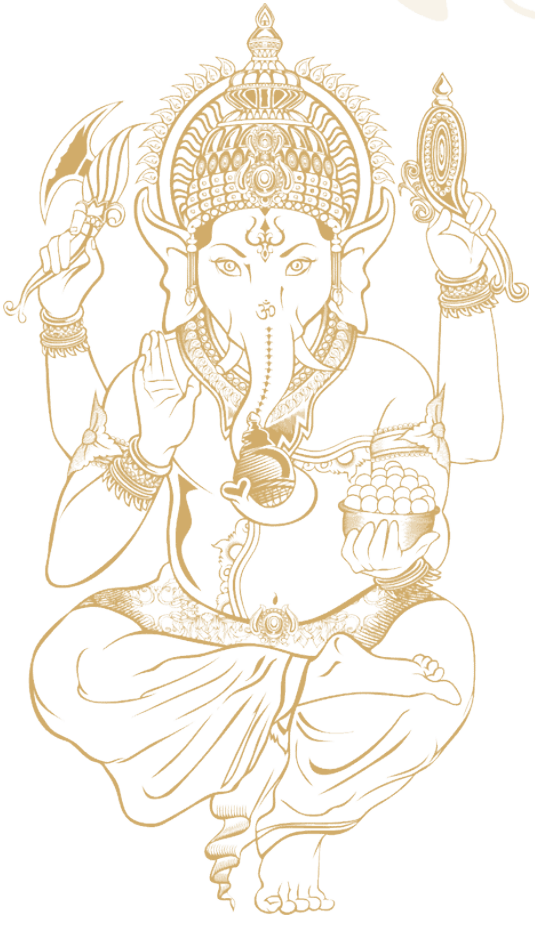

Kisun Singh

26 Aug 1997

03:17 PM

Jaynagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121827302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/08/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:17:00 घंटे**
इष्ट	24:46:30 घटी
स्थान	**Jaynagar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	86:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:31:32 घंटे
वेलान्तर	-00:01:51 घंटे
साम्पातिक काल	13:50:16 घंटे
सूर्योदय	05:22:24 घंटे
सूर्यास्त	18:11:41 घंटे
दिनमान	12:49:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:22:10 सिंह
लग्न के अंश	20:26:39 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	20:26:39	356:28:06	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			सिंह	09:22:10	00:57:55	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	25:18:12	12:55:37	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			तुला	13:43:25	00:38:20	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	18:57:37	00:46:29	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	21:03:12	00:07:03	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			कन्या	16:36:21	01:10:52	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	26:01:20	00:02:27	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	26:02:39	00:01:17	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:02:39	00:01:17	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:49:35	00:02:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:50:39	00:01:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:03:05	00:00:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	05:49:15	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:25

लग्न-चलित

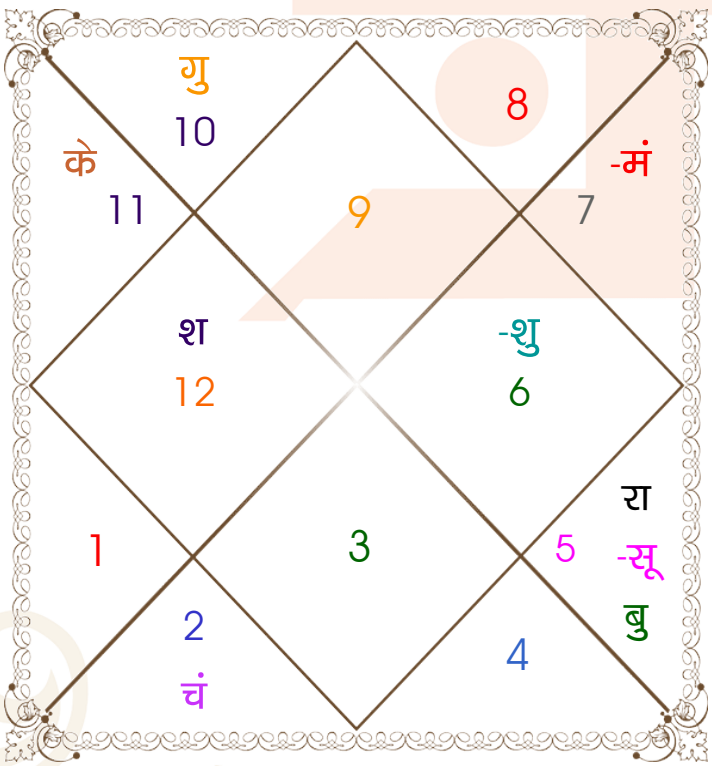

चन्द्र कुंडली

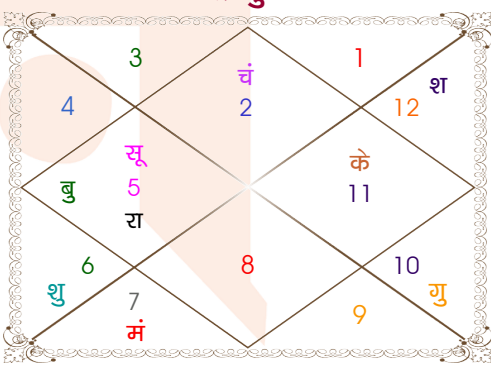

नवमांश कुंडली

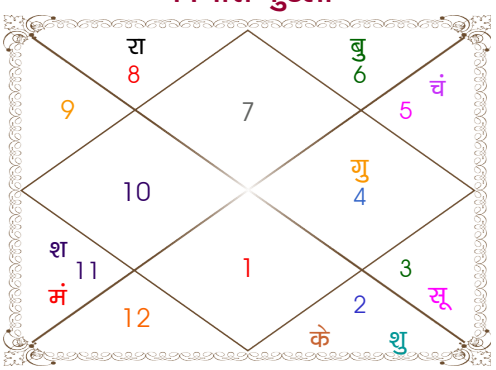

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 11 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/08/1997		14/08/2003		14/08/2021		14/08/2037		13/08/2056	
14/08/2003		14/08/2021		14/08/2037		13/08/2056		14/08/2073	
	26/08/1997	राहु	26/04/2006	गुरु	02/10/2023	शनि	16/08/2040	बुध	10/01/2059
राहु	28/01/1998	गुरु	19/09/2008	शनि	14/04/2026	बुध	27/04/2043	केतु	07/01/2060
गुरु	04/01/1999	शनि	27/07/2011	बुध	20/07/2028	केतु	04/06/2044	शुक्र	07/11/2062
शनि	13/02/2000	बुध	12/02/2014	केतु	26/06/2029	शुक्र	05/08/2047	सूर्य	14/09/2063
बुध	09/02/2001	केतु	03/03/2015	शुक्र	25/02/2032	सूर्य	17/07/2048	चंद्र	12/02/2065
केतु	08/07/2001	शुक्र	03/03/2018	सूर्य	13/12/2032	चंद्र	15/02/2050	मंगल	09/02/2066
शुक्र	07/09/2002	सूर्य	25/01/2019	चंद्र	14/04/2034	मंगल	27/03/2051	राहु	29/08/2068
सूर्य	13/01/2003	चंद्र	26/07/2020	मंगल	21/03/2035	राहु	31/01/2054	गुरु	05/12/2070
चंद्र	14/08/2003	मंगल	14/08/2021	राहु	14/08/2037	गुरु	13/08/2056	शनि	14/08/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/08/2073		13/08/2080		14/08/2100		15/08/2106		14/08/2116	
13/08/2080		14/08/2100		15/08/2106		14/08/2116		00/00/0000	
केतु	10/01/2074	शुक्र	14/12/2083	सूर्य	02/12/2100	चंद्र	15/06/2107	मंगल	11/01/2117
शुक्र	12/03/2075	सूर्य	13/12/2084	चंद्र	03/06/2101	मंगल	14/01/2108	राहु	27/08/2117
सूर्य	18/07/2075	चंद्र	14/08/2086	मंगल	08/10/2101	राहु	15/07/2109		00/00/0000
चंद्र	16/02/2076	मंगल	14/10/2087	राहु	02/09/2102	गुरु	14/11/2110		00/00/0000
मंगल	14/07/2076	राहु	14/10/2090	गुरु	21/06/2103	शनि	15/06/2112		00/00/0000
राहु	01/08/2077	गुरु	14/06/2093	शनि	02/06/2104	बुध	14/11/2113		00/00/0000
गुरु	08/07/2078	शनि	13/08/2096	बुध	09/04/2105	केतु	15/06/2114		00/00/0000
शनि	17/08/2079	बुध	14/06/2099	केतु	15/08/2105	शुक्र	14/02/2116		00/00/0000
बुध	13/08/2080	केतु	14/08/2100	शुक्र	15/08/2106	सूर्य	14/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 11 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।